मानव एकता गीत

तर्ज़: ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आना .....

मिलके करें पूजा गुरु हरदेव जी की
इनमे प्रगट है ज्योत गुरुबचन जी की
मिलके करें पूजा गुरु हरदेव जी की .....

मानवता के लिए है दी यूँ, अमर ये क़ुरबानी
अपने लहू से लिख गए हैं, अमन की कहानी
गुरुबचन के बलिदान को, ना भूलें कभी
मिलके करें पूजा गुरु हरदेव जी की .....

सब एक हों ओर नेक हों, ये सपना था सुहाना
ये सपना अब साकार करें, बदलें ये ज़माना
साकार मूरत है ये, मानव एकता की
मिलके करें पूजा गुरु हरदेवजी की .....

इनसान के ना खून बहे, गली ओर चौबारे
दे करके दान रक्त का, ये मिशन आज पुकारे
है कीमती ये, कदर करो जिन्दगी की
मिलके करें पूजा गुरु हरदेव जी की .....

हरदेव जी का हाथ रहे, सर पे हमारे
'गोपी' 'दिलवर' की निभ जाये, सतगुरु के द्वारे
ये आस है 'भगवन' सदा, तेरे भक्तों की
मिलके करें पूजा गुरु हरदेवजी की .....
इनमे प्रगट है ज्योत गुरुबचनजी की